दैनिक जागरण
बरेली, 9 नवंबर, 2009

ह्यूस्टन में जाफरी अवार्ड से नवाजे गये वसीम बरेलवी

बरेली : अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के शायर और बरेली गौरव प्रो. वसीम बरेलवी की शायरी की लोकप्रियता काफी अरसा पहले हिन्दुस्तान की सरहदों को पार कर चुकी है। अमेरिका के

अलावा एशिया के कई देशों में वह मुशायरों में अपने कलाम से लोगों को दीवाना बना चुके हैं। उनके इसी कमाल और उर्दू अदब की खिदमत के लिये अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में अली सरदार जाफरी अवार्ड से नवाजा गया। दो साल पहले अमेरिका के जिस ह्यूस्टन शहर की उन्हें मानद नागरिकता प्रदान की गयी थी, उसी शहर में गत 6 नवम्बर की शाम उनके और उनके चाहने वालों के लिये यादगार बनी। वहां के पाकिस्तान-अमेरिका कम्युनिटी सेन्टर में जश्न-ए-वसीम महफिल सजी । इसी कार्यक्रम में उन्हें उर्दू साहित्य में योगदान के लिये अली सरदार जाफरी लिट्रेरी अवार्ड से नवाजा गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे आस्टिन (अमेरिका) स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के प्रोफेसर अकबर हैदर। उन्होंने ही

■ शेष पृष्ठ 11 पर

ह्यूस्टन में जाफरी अवार्ड से ...

वसीम बरेलवी को सम्मानित करते हुये अवार्ड के साथ एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर प्रो. वसीम ने कहा कि आज दुनियां में हर तरफ आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में अशांति है। ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठ्यक्रम में इस तरह की शायरी को शामिल किया जान चाहिये जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद उत्पन्न कर सके। इससे पूर्व कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी द्वारा सरल शब्दों में लिखी गयी गज़लें आम आदमी के दिल को छूती हैं। यही उनकी मकबूलियत का राज है। अपनी सादगी और सच्चाई की वजह से ही वह आज आला मुकाम पर हैं। पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास ताबिश ने वसीम बरेलवी की तारीफ करते हुये कहा कि उनकी शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। इसी कड़ी में भारतीय शायर मेराज फैज़ाबादी ने वसीम बरेलवी की उर्दू शायरी पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम अलीगढ़ एलुमिनी एसोसियेशन आफ टेक्सास के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें भारतीय व पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में जुटे थे। प्रो. वसीम के सम्मान के बाद उन्हीं की अध्यक्षता में मुशायरा की महफिल सजी।

इसमें वसीम बरेलवी के अलावा भारतीय से पहुंचे शायर ताहिर फराज, मेराज फैजाबादी व पाकिस्तान के अब्बास ताबिश अमेरिका के डा. नौशा असरार, जमील जाफरी, सरफराज आबाद, हुमैरा रहमान, इशरत आफरीन, व डा. शगुफ्ता रियाज ने कलाम पढ़े। पूर्व में एसोसियेशन के अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी शायरों का स्वागत किया। संचालन परवेज जाफरी का रहा।